अच्छा डॉक्टर बनने के लिए अच्छा इंसान होना ज़रूरी: डॉ. आभा सिंह

रायपुर-छ.ग.। पं.जवाहर लाल नेहरू स्मृति शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय की **डीन डॉ. आभा सिंह** ने कहा कि एक अच्छा डॉक्टर बनने के लिए उसे एक अच्छा इंसान बनना होगा। डॉक्टर को एक अच्छा श्रोता भी होना चाहिए। वह धैर्यतापूर्वक मरीज की परेशानी को ध्यान से सुने। उससे सहानुभूति पूर्वक बातें करे तो मरीज का आधा दर्द तो बिना दवाई के ही दूर हो जाता है।

डॉ. आभा सिंह ब्रह्माकुमारीज़ के शान्ति सरोवर में आयोजित तीन दिवसीय विहासा (Values in Health Care- A Spiritual Aspect) ट्रेनिंग कार्यक्रम का शुभारम्भ करने के बाद अपने विचार व्यक्त कर रही थीं। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा चलाया जा रहा विहासा कार्यक्रम आज समय की मांग है, और ऐसे कार्यक्रम व्यापक रूप से होने चाहिए। ये संस्थान का सराहनीय कार्य है।

मुम्बई से आये **नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. मनोज मत्तानी** ने कहा कि डॉक्टर्स के जीवन को आध्यात्मिक मूल्यों से सम्पन्न करने के लिए ही विहासा कार्यक्रम बनाया गया है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों का आध्यात्मिक सशक्तिकरण ही इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है। श्री बालाजी सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिल के डायरेक्टर डॉ. देवेन्द्र नायक ने कहा कि विहासा प्रशिक्षण के माध्यम से अच्छे चिकित्सक बनाने का ब्रह्माकुमारी संस्थान का प्रयास अत्यन्त सराहनीय है। ब्रह्माकुमारी संस्थान की क्षेत्रीय निदेशिका **ब्र.कु. कमला दीदी** ने कहा कि डॉक्टर वो, जो दवा देकर दुआएं जमा करता हो, उसके लिए उसे अपने जीवन में आध्यात्मिकता को अपनाना बहुत ज़रूरी है, तभी वो मरीजों की सच्ची सेवा कर पायेगा। इस प्रदेश में चिकित्सा के क्षेत्र में उल्लेखनीय सुविधाएं प्रदान की गई हैं, जिसका सभी को लाभ मिले, ऐसी मेरी शुभ भावना है। इस अवसर पर क्षेत्र के डॉक्टर्स व्यवसाय से जुड़े गणमान्य लोगों ने इस त्रिदिवसीय कॉन्फ्रेन्स में बड़े उमंग से भाग लिया तथा सबने ऐसे कार्यक्रम समयांतर होते रहने की मंसा जताई।

डॉ. आभा सिंह तथा ब्र.कु. कमला दीदी के साथ दीप प्रज्वलित करते हुए डाक्टर्स।

योग संदेश के लिए...

लम्बे अखबार का ग्लोबल रेकॉर्ड

अहमदनगर-महा.। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सातारा-नागठाणे सेवाकेन्द्र द्वारा विश्व का सबसे लम्बा अखकार निर्माण करके एक अनोखा कीर्तिमान स्थापित किया गया। ग्लोबल रेकॉर्ड्स में इस कीर्तिमान को दर्ज किया गया है। ब्रह्माकुमारीज़ के ओमशान्ति मीडिया के योग दिवस विशेषांक को 20 फीट ऊँचाई तथा 85 फीट चौड़ाई के आकार का विश्व का सबसे लम्बा अखबार बनाकर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर संदेश दिया गया।

सातारा के एस.पी. संदीप पाटील के हाथों इस विश्व विक्रमी अखबार का उद्घाटन किया गया। इस मौके पर पुलिस उपाधिक्षक राजलक्ष्मी शिवलकर सहित अन्य पुलिसकर्मी भारी संख्या में उपस्थित थे।

सिक्किम के राज्यपाल ने किया सम्मान

सिक्किम के राज्यपाल श्रिनिवास पाटील ने ग्लोबल रेकॉर्ड्स का सर्टिफिकेट ब्र.कु. सुवर्णा, ब्र.कु. डॉ. दीपक हरके तथा ब्र.कु. अंकिता को प्रदान किया।

अंतर्राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे पर संगोष्ठी का सफल आयोजन

सारनाथ-वाराणसी। अंतर्राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे पर ब्रह्माकुमारीज़ के ग्लोबल लाईट हाउस सेवाकेन्द्र में डॉक्टर्स तथा वाराणसी क्लब के सदस्यों हेतु आयोजित संगोष्ठी में **राजयोगी ब्र.कु. दीपेन्द्र** ने कहा कि जीवनदाता परमात्मा हैं, तो चिकित्सक जीवन रक्षक। हमें अपने जीवन से दीन-दुःखियों एवं रोग तथा पीड़ा ग्रस्त मानव को यही अनुभूति करानी होगी कि वास्तव में चिकित्सक भगवान के दूसरे रूप हैं। उन्होंने राजयोग को अपनी

दिनचर्या में शामिल किये जाने पर ज़ोर देते हुए कहा कि इससे हमारे कर्म में कुशलता आती है। जीवन में बदलाव लाने में समर्थ बन सकते हैं। इस बल से हमें समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के निमित्त बनना होगा। उन्होंने संस्था की गतिविधियों से भी सभी को अवगत कराया।

क्लब के सदस्यों ने ब्रह्माकुमारीज़ के जीवन मूल्य आध्यात्मिक कला मंदिर के अवलोकन पश्चात् पौधे लगाकर धरती को हरा-भरा एवं मन को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।

क्षेत्रीय मीडिया प्रभारी ब्र.कु. विपिन ने कहा कि हम अपने एक-एक समर्थ संकल्पों की शक्ति से अपने तथा दूसरों के

राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. तापोसी ने कहा कि राजयोग परमात्मा के साथ हमारा संवाद है जिसके माध्यम से हम अपने अनेक सवालों का हल प्राप्त कर सकते हैं तथा अपनी आंतरिक ऊर्जा का भी विकास कर सकते हैं।

वरिष्ठ डेन्टिस्ट डॉ. वी.के. सिंह एवं वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. ए.के. गुप्ता ने राजयोग की गहन अनुभूति कराने हेतु ब्रह्माकुमारी बहनों का अभार प्रकट किया। इस मौके पर चिकित्सा, व्यापार तथा शिक्षा जगत से जुड़े अनेक प्रबुद्धजन मौजूद रहे।

जी.डी. गोयंका पब्लिक स्कूल में त्रिदिवसीय कार्यक्रम

बिना आध्यात्मिकता जीवन में खुशी नहीं : शिवानी

खुशी और स्वास्थ्य के लिए आध्यात्मिक उपचार विषय पर सम्बोधित करते हुए जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी।

गुरूग्राम-सेक्टर 48। आध्यात्मिक मूल्यों के द्वारा ही जीवन में खुशी का अनुभव हो सकता है। उक्त विचार जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी ने 'खुशी और स्वास्थ्य के लिए आध्यात्मिक उपचार' विषय पर गुरूग्राम के जी.डी. गोयंका पब्लिक स्कूल, सेक्टर 48 में आयोजित त्रिदिवसीय कार्यक्रम में व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय मनुष्य के दुःखों का मूल कारण उसकी खराब आदतें हैं। कई बार कोशिश करते हुए भी आदतों को छोड़ना मुश्किल लगता है। आदतों की गुलामी सबसे बड़ी गुलामी है। न चाहते हुए भी लोग ऐसे कर्म कर लेते हैं जो कि बाद में उन्हें पश्चाताप करना पड़ता है। उससे निजात पाने के लिए हमें आध्यात्मिक शक्ति की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गलत आदतें हमारे स्वास्थ्य को भी प्रभावित करती हैं और हमारे भाग्य को भी। इसके लिए योग ही एक माध्यम है, जिससे हम ऐसी आदतों को बदल सकते हैं। कार्यक्रम में रेल विहार सोसाइटी के अध्यक्ष संतोष अग्रवाल, मानेसर औद्योगिक संघ के अध्यक्ष मनमोहन गेंद, स्कूल की प्राचार्या अनुराधा हांडा। मेदान्ता हॉस्पिटल की एचआर प्रमुख पूनम शर्मा उपस्थित थे।

चरित्र का सीधा सम्बन्ध हमारे स्वास्थ्य से : डॉ. गिरीश

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. डॉ. गिरीश पटेल, ब्र.कु.ख्याति तथा अन्य।

सुप्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. गिरीश पटेल ने कहा कि वर्तमान समय ज़्यादातर बीमारियों का मूल कारण मन है। मन के नकारात्मक विचारों का प्रभाव हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। जो मन हमें बीमार करता है, वही मन हमें स्वस्थ भी रख सकता है। राजयोग के द्वारा हम अपने मन को सकारात्मक बना सकते हैं। डॉ. गिरीश पटेल ने सुस्वास्थय के लिए नियमित व्यायाम के साथ संतुलित एवं शुद्ध आहार को ज़रूरी बताया। उन्होंने कहा कि हमें अपने विचारों पर विशेष ध्यान देना है। हमारे विचार ही हमारे बोल बनते हैं, हमारे बोल ही हमारे कर्म बनते हैं, हमारे कर्म ही हमारा चरित्र बनता है और हमारे चरित्र से ही हमारी पहचान होती है। चारित्रिक विकास के लिए आध्यात्मिक जागृति बहुत ज़रूरी है।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SRO/9623/18-20, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2018-20, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 12th July 2018
संपादक : ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक : ब्र.कु.करूणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं अमर उजाला प्रेस द्वारा मुद्रित।